PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Sunday 18th May 2014, Page: 15
Width: 12.18 cms, Height: 11.40 cms, a4, Ref: pmin.2014-05-18.53.29

नॉलेज . फार्मा कंपनियों की डील का एक पहलू ये भी

रेनबैक्सी डील: बिकने के बाद पांच हजार नौकरियों पर संकट

भास्कर रिसर्च टीम.

भारी भरकम कैश होने के कारण फार्मा कंपनियां किसी दूसरी फार्मा कंपनी को खरीद लेती हैं। लेकिन इससे इनके शेयरधारक भले ही खुशी मनाते हों, कर्मचारियों की धड़कनें बढ़ जाती हैं। क्योंकि बड़े पैमाने पर सेल्स टीम को हटाया जाता है। रेनबैक्सी के पास अभी पांच हजार लोगों की सेल्स टीम है।

चुभने लगती है बिकने वाली कंपनी की सेल्स टीम

रेनबैक्सी
14,600 लोग काम करते हैं जिनमें से **5000** सेल्स में है

सन फार्मा
14,000 लोग काम करते हैं जिनमें से **3000** सेल्स में है

▪ सन अपनी सेल्स टीम से ही रेनबैक्सी की मार्केटिंग भी करा सकती है। इससे लागत में कमी आएगी।

डील में तो सभी कर्मचारियों को बरकरार रखने की बात है, लेकिन खरीदने वाले अपनी बात पर कायम नहीं रह पाते हैं।
-विश्वनाथन, *अध्यक्ष, मेडिकल-सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसो. ऑफ इंडिया*

सन फार्मा की ओर से ऐसी कोई जानकारी नहीं है। और हम कुछ नहीं कहना चाहते।
-कृष्णन रामलिंगम, *जीएम कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, रेनबैक्सी*

इस तरह की किसी भी पहल के बारे में कहना जल्दबाजी होगी। हम दोनों ही कंपनियों के लोगों का लाभ उठाना चाहते हैं।
-फ्रेडरिक कास्ट्रो, *प्रवक्ता सन फार्मा*